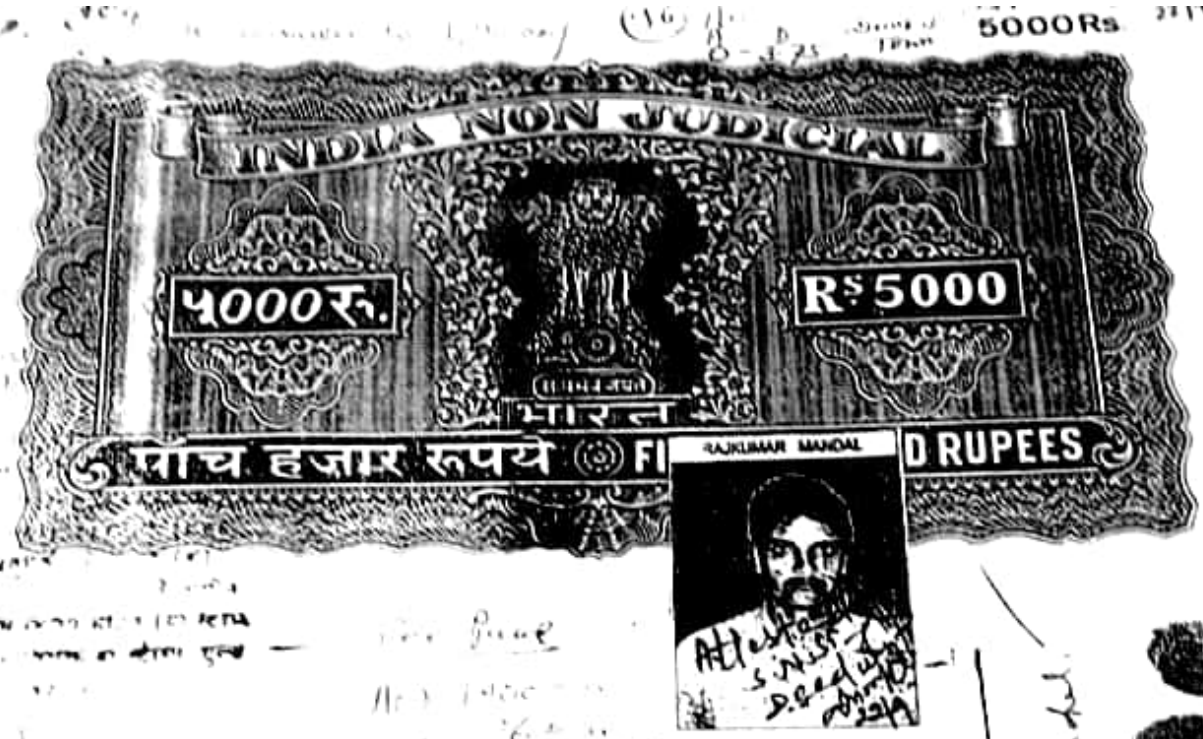

5000Rs

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

भारत

पाँच हज़ार रुपये FI[illegible]D RUPEES

RAJKUMAR MANDAL

SALE - DEED

[illegible] लेख्यकारी पिता [illegible] नाम वो निवास स्थान आदि (विक्रेता)	श्री राजकुमार मण्डल पिता श्री ओ[illegible] कुमार मंडल, जाति- कोईरी पेशा खेती, साकिन- पैरोपुर [illegible] जामा, सबडिवीजन वो निबन्धन कार्यालय दुमका, जिला- दुमका, झारखण्ड, भारतीय नागरिक।
[illegible] लेख्यधारी पिता का [illegible] निवास [illegible] आदि [illegible]	श्री [illegible] कुमार पिता श्री [illegible] सिंह, जाति- राजपूत, पेशा [illegible] साकिन [illegible] दुमका, थाना दुमका [illegible] वो निब[illegible] दुमका, जिला दुमका, भा[illegible] नागरिक।

Scanned by CamScanner

INDIA NON JUDICIAL

२००० रु. Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हज़ार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

लेख्य प्रकार : - बिक्रय-पत्र (Sale - Deed)

बिक्रीत सम्पति का मूल्य :- मो0 1,90,000/- (एक लाख नब्बे हजार रूपये) मात्र ।

बिक्रीत सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण :- तफसील हक बसौड़ी परती सहन जमीन मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि अन्दर मौजा दुमका टाउन नम्बर 7 तालुकघाट दुमका, थाना दुमका टाउन, सबडीविजन वो जिला दुमका का तौजी नं0 6 बसौड़ी जमाबंदी नम्बर 40/31 उपस्थित जमींदार का खाता नं0 40/50/1 दुमका नगरपालिका वार्ड नं0 1 पुराना वो नया वार्ड नं0 12 जिसका दाग नम्बर चौहद्दी निम्न प्रकार है :-

दाग नम्बर	चौहद्दी	किस्म बी.क.धु.
674 (छः सौ चौहत्तर) का अंश ।	उत्तर - इसी दाग का अंश । दक्षिण - रीता देवी का मकान । पुरब - दिलीप कुमार भुवानियाँ का जमीन । पश्चिम - 10 फीट प्रस्तावित रास्ता ।	इसी चौहद्दी के अन्दर बसौड़ी परती सहन जमीन मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि रकवा मवाजी 00 - 02 - 05 धूर बराबर 3.75 डिसमील

दो कठ्ठा पाँच धूर मात्र ॥ सलाना खजाना मो0 रसिदी ।

Ravi Kumar Mandal. 24/9/2020

Scanned by CamScanner

५००रु. Rs 500

पाँच सौ रूपये FIVE HUNDRED RUPEES

विदित हो कि उपरोक्त सम्पति लेख्यकारी बिक्रेता की स्वोपार्जित खरीदगी सम्पत्ति है जिसे लेख्यकारी ने बजरिये बिक्रय पत्र सं0 1104 जिल्द सं0 31 पृष्ट सं0 174 से 180 पुस्तक सं0 1 सन् 2004 ई0 जिसकी रजस्ट्री दुमका निबंधन कार्यालय में हुई है के द्वारा अपने नाम प्राप्त कर तथा अंचल कार्यालय दुमका में नामांतरण वाद संख्या 214/2004-05 के द्वारा अपना नाम पंजी II में दर्ज कराकर खजाना अपने नाम से देते हुए सम्पति का भोग दखल निर्विवाद रूप से करते आ रहे हैं। यह सम्पत्ति बसौड़ी है तथा लेख्यकारी को बिक्रय करने का सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

वर्त्तमान में लेख्यकारी को सांसारिक खर्च एवं ऋण परिशोध के लिए रूपये का सख्त दरकार है वो बिना विक्रय किए उपरोक्त बसौड़ी सम्पत्ति के रूपये का मिलना कठिन है, इसलिए लेख्यकारी ने उपरोक्त सम्पत्ति को बिक्रय करने का शोहरत किया, जिसे आप क्रेता ने देखा वो मो0 1,90,000/- रूपये में क्रय करने की ईच्छा बिक्रीदार पर प्रगट किया। यह कीमत आज कल के बाजार दर का सर्वोच्च मूल्य समझा गया तथा उपायुक्त महोदय दुमका के द्वारा निर्धारित मूल्यांकन के आधार पर भी वाजिब वो सही है, इसलिए लेख्यकारी आज अपनी खुशी राजी, बिना कोई दबाव वो बहकाव किसी अन्य के अपने स्वस्थ शरीर वो स्वच्छन्द मस्तिष्क की दशा में होकर वो रहकर तथा उपरोक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण तय मूल्य मो0 1,90,000/- रूपये नगद एकमुस्त क्रेता से लेकर वो प्राप्त कर खाना नम्बर पाँच की बर्णित सम्पत्ति को क्रेता के हाथ बेचा वो बैलाकलामी किया ... तारीख से उपरोक्त सम्पत्ति पर क्रेता को ठीक अपने तुल्य ...

Raj Kumar Mandal
24/9/2005

Scanned by CamScanner

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

१०० रु.   Rs 100

भारत

(4)

उपरोक्त सम्पत्ति हर तरह के ऋण-भार से मुक्त है। फिर भी निकट भविष्य में उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का हाल या प्राचीन ऋण-भार पाया जाय जिससे क्रेता को उपरोक्त सम्पत्ति से या इसके किसी अंश से बेदखल होना पड़े ऐसी हालत में बिक्रेता मय वारिसान करने वापस कुल जरसमण केवाला, मय खरचा, हरजाना वो सूद बनिर्ख बाजार के है, होगे वो रहेगे। आज तक उपरोक्त सम्पत्ति पर बिक्रेता को जो कुछ स्वत्व वो स्वामित्व प्राप्त था अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता वो कुल आज की तारीख से क्रेता को प्राप्त हो गया।

अब चाहिए कि क्रेता महोदय उपरोक्त सम्पत्ति को लेकर सरकारी सिरीस्ते में प्रचलित नाम कटवा कर खुद का नाम दर्ज करा लेवें वो साल-ब-साल सिरीस्ते में खजाना देकर वसूली का रसीद अपने नाम से प्राप्त किया करें वो वारिसानुक्रमेण उपरोक्त सम्पत्ति का भोग-दखल, दान-बिक्रय वो हस्तांतर अपनी इच्छानुसार जो चाहे करें, इसमें बिक्रेता मय वारिसान को किसी तरह की उजुर-आपत्ति नहीं होगी, न कभी कर सकेंगे अगर कोई आपत्ति करे या करें तो वो कुल आपत्ति उचित न्यायालय में अमान्य वो वातिल होगी।

बिक्रेता ने उपरोक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण तय मूल्य मो0 1,90,000/- रूपये क्रेता से नगद एकमुस्त प्राप्त कर लिया है। कुछ भी बाकी नहीं रहा। भविष्य में मूल्य नहीं पाने का दावा नाजायज वो वातिल होगी।

Raj Kumar Mandal
24/9/2021

Scanned by CamScanner

AN OF LAND 8...

यह सब एकरार कर देकर यह विक्रय पत्र ब हक श्री नीरज कुमार पिता श्री सत्यनारायण सिंह के तहरीर व तामिल कर दिया, तो वक्त जरूरत के काम आवे। इति आज तारीख :- 22 09 2006 ई0।

कम्प्यूटर द्वारा टंकित किया।

अनिल कुमार ...
22.9.06

इस दस्तावेज की प्रथम प्रति एवं द्वितीयक प्रति एक-दूसरे की हु-ब-हु सच्ची प्रतिलिपि है।

उपरोक्त सम्पत्ति मुख्य सड़क से 100 फीट से अधिक दूरी पर अवस्थित है तथा आवासीय है।

Rajkumar Mandal
22/9/06

22.9.0

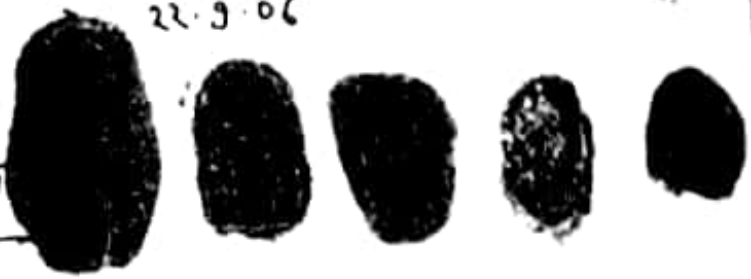

Nirag Kumar
22.9.06

कातिब दस्तावेज :-
सुनेश्वर-नाथ सिंह, साकिन
दुमका टाउन, दस्तावेज का
मजमून तैयार किया, टंकित
कराने के बाद पढ़कर
लेख्यकारी को पुनः वा
समझा दिया।
सुनेश्वर सिंह
22/9/06

प्रमाणित किया जाता है कि
प्रत्येक व्यक्ति जिनका छायाचित्र
दस्तावेज में लगा है के बायें
हाथ की उंगलियों का निशान
मेरे द्वारा लिया गया है।
सुनेश्वर-नाथ सिंह
दस्तावेज नवीस
दुमका।

... DEVI D/O, LATE RANA PRA... PURCHASED BY ...

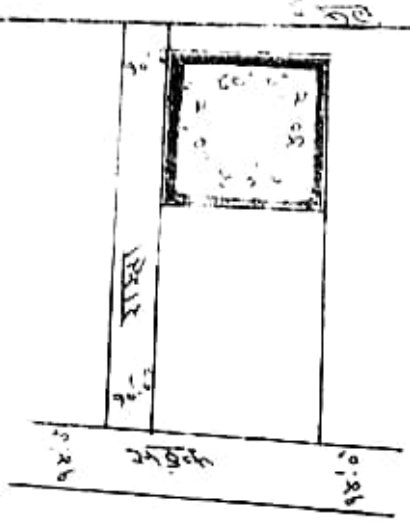

विक्रय कारी :- (विक्रेता) :- श्री मोहन कुमार राठौर पिता स्व० [illegible] ग्राम राठौर - ग्राम हाजीपुर, जिला वैशाली (बिहार)
खरीददार (क्रेता) :- श्री राजकुमार मंडल पिता स्व० [illegible] कुमार मंडल ग्राम मैरवपुर पो० मैरवपुर थाना - आमा [illegible] दुमका, जिला - दुमका ।

जमीन का विवरण :- विक्रय पत्र - [illegible] हल्का नम्बर :- ६६८

पुराना जमाबन्दी नम्बर	नया जमाबन्दी नम्बर	प्लॉट नम्बर	[illegible]	रकबा	किस्म जमीन	चौहद्दी
१	२	३	४	५	६	७
४०/२१	४०/२०	६६४ का अंश	१६३२	०.२.५	परती	उ: [illegible] द: [illegible] पू: [illegible] प: [illegible]

बनमाली पंजियारा

उपरोक्त प्लॉट नम्बर ६६८ में लाल मार्क किया गया जमीन का कुल रकबा ०.२.५ [illegible] [illegible] है ।
[illegible]

अमीन-बनमाली पंजियारा न० ९७५
भू-सर्वेक्षण बंदोबस्त कार्यालय
दुमका
ग्राम - मुड़ाबहाल

[illegible signature]
[illegible]/12/2004

Scanned by CamScanner